ग्रेट इंडियन बस्टर्ड

चर्चा में क्यों?

राजस्थान वन विभाग ने [ऑपरेशन सिंदूर]() और इसमें शामिल सैन्य कर्मियों के सम्मान में नवजात [ग्रेट इंडियन बस्टर्ड]() (अर्डियोटिस नाइग्रिसेप्स) चूजों का नाम सिंदूर, व्योम, मिश्री और सोफिया रखा।

मुख्य बिंदु

- **ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के बारे में:**
    - राजस्थान का राज्य पक्षी **ग्रेट इंडियन बस्टर्ड** भारत का सबसे **गंभीर रूप से संकटग्रस्त** पक्षी माना जाता है। यह विश्व स्तर पर **उड़ने वाले सबसे भारी पक्षियों में से एक** है तथा यह मुख्य रूप से **राजस्थान के** [थार रेगिस्तान]() में पाया जाता है। कम संख्या में यह **गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में** मिलते हैं।
        - ग्रेट इंडियन बस्टर्ड भारत में पाई जाने वाली चार बस्टर्ड प्रजातियों में से एक है, जिसमें **लेसर फ्लोरिकन, बंगाल फ्लोरिकन और मैकक्वीन बस्टर्ड** भी शामिल हैं।
        - फ्रंटल विज़न के अभाव के कारण ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की विद्युत लाइनों से टकराने की अधिक संभावना रहती है।
- **पारिस्थितिकी महत्त्व:** ग्रेट इंडियन बस्टर्ड **एक संकेतक प्रजाति** है तथा यह पक्षी चरागाह पारिस्थितिकी तंत्र के बेहतर स्वास्थ्य का परिचायक है। इनकी संख्या में कमी स्थानीय घास के मैदानों के क्षरण का संकेतक है।
- **संरक्षण स्थिति:** [IUCN रेड लिस्ट (गंभीर रूप से संकटग्रस्त)](), [CITES (परिशिष्ट 1)](), [प्रवासी प्रजातियों पर अभिसमय (CMS) (परिशिष्ट I)]() और [वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (अनुसूची I)]()।
- **खतरे:** कृषि, खनन और बुनियादी ढाँचे से इनके अधिवास की क्षति के साथ विद्युत लाइनों से टकराव (मृत्यु दर का प्रमुख कारण) इनके लिये प्रमुख खतरा है।
    - इनके अवैध शिकार में कमी आई है लेकिन **मानवीय गतिविधियों एवं असंतुलित भूमि उपयोग से** इस प्रजाति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।
- **संरक्षण प्रयास:** इसके संरक्षण की दिशा में वर्ष 2018 में पर्यावरण मंत्रालय, [भारतीय वन्यजीव संस्थान]() और राजस्थान वन विभाग ने प्रोजेक्ट ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की शुरुआत की।
    - जैसलमेर के सुदासरी और साम स्थित कैप्टिव ब्रीडिंग सेंटर्स में नवजात ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की जीवन दर में सुधार के क्रम में AI-सक्षम निगरानी, इनक्यूबेटर तथा सेंसर-आधारित प्रणालियों का उपयोग किया जा रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर

- **परिचय:** यह पहलगाम आतंकी हमले के प्रत्युत्तर में 7 मई, 2025 को भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा लॉन्च किया गया एक समन्वित स्ट्राइक ऑपरेशन है।
  - इसे भारतीय भू-भाग से सेना, नौसेना और वायु सेना के समन्वित प्रयासों द्वारा कार्यान्वित किया गया।
  - पिछले अभियानों के आक्रामक और शक्ति प्रदर्शन पर केंद्रित नामों के विपरीत, इस अभियान का नाम पीड़ितों, विशेषकर पहलगाम हमले की विधवाओं, के प्रति **व्यक्तिगत श्रद्धांजलि** स्वरूप चुना गया था।

- **लक्ष्य:** 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) में स्थित **जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन से संबद्ध आतंकी ठिकानों** को लक्षित किया।
  - इन हमलों का उद्देश्य भारत के खिलाफ हमलों की योजना बनाने में इस्तेमाल किये गए आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करना था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bailey-bridge-in-uttarakhand-1